मध्य प्रदेश शासन

राज्य आनंद संस्थान

आनंद विभाग मंत्रालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2017-18

राज्य आनंद संस्थान, माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर,
शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) – 462011, **दूरभाष :** + 91-755-2553434
ई- मेल: anandsansthanmp@gmail.com, वेबसाईट : anandsansthanmp.in

राज्य आनंद संस्थान

आनंद विभाग मंत्रालय

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

विषय सूची

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1	**अध्याय - 1**	
	राज्य आनंद संस्थान- सामान्य जानकारी	
	1.1. संस्थान के उद्देश्य	1
	1.2 संस्थान की सामान्य सभा	1
	1.3 संस्थान की कार्यपालन समिति	3
	1.4 संस्थान की वेबसाइट	3
2	**अध्याय - 2**	
	वर्ष 2017-18 की प्रमुख गतिविधियां	
	2.1 आनंदकों का पंजीकरण	5
	2.2 आनंद उत्सव	5
	2.3 आनंदम	6
	2.4 अल्पविराम	7
	2.5 आनंद शिविर	8
	2.6 आनंद सभा	9
	2.7 आनंद क्लब	9
	2.8 आनंद कैलेण्डर	10
	2.9 सामान्य सभा एवं कार्यपालन समिति की बैठक	10
	2.10 ऑनलाईन वीडियो कोर्स	11
	2.11 आनंद रिसर्च फैलोशिप	11
	2.12 हैप्पीनेस इण्डेक्स	11
	2.13 बजट प्रावधान	12

अध्याय – 1

राज्य आनंद संस्थान – सामान्य जानकारी

1.1 संस्थान के उद्देश्य

विभाग के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए पंजीकृत सोसायटी के रूप में ''राज्य आनंद संस्थान'' का गठन किया गया है । संस्था का पंजीकरण दिनांक 12 अगस्त 2016 को रजिस्ट्रार फर्म एण्ड सोसायटी द्वारा किया गया है। संस्थान की उपविधि अनुसार संस्थान के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :-

1. आनंद एवं सकुशलता को मापनें के पैमानों की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना।
2. राज्य में आनंद का प्रसार बढाने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय करना।
3. आनंद की अवधारणा संबंधी नियोजन नीति का क्रियान्वयन।
4. आनंद की अनुभूति के लिये एक्शनप्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण।
5. निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना।
6. आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
7. आनंद के प्रसार माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना।
8. आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना।
9. आनंद विभाग द्वारा सौंपे गए कार्य।

1.2 संस्थान की सामान्य सभा

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा निम्नानुसार है :-

1. माननीय मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन- अध्यक्ष
2. आनंद विभाग के भारसाधक मंत्री- मध्य प्रदेश शासन- उपाध्यक्ष
3. कार्यपालन समिति के अध्यक्ष-सदस्य
4. मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन-सदस्य

5. माननीय मंत्री योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य- सदस्य
6. योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य विभागों से संबंधित प्रमुख सचिव- सदस्य
7. अध्यक्ष व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित इक्कीस गैर शासकीय सदस्य जिन्होंने मानवीय आनंद और सकुशलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
8. सोसासयटी के मुख्य कार्यकारी- सदस्य सचिव

आवश्यक समझे जाने पर सामान्य सभा के अध्यक्ष विषय के जानकारी व्यक्तियों, विभागों के भारसाधक मंत्रीगण, अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सकते हैं।

सामान्य सभा की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2017 में निम्न संशोधन किये गये :-

1. यदि सामान्य सभा चाहे तो कार्यपालन समिति की संरचना को बदल सकेगी।
2. सामान्य सभा के गैर शासकीय नामांकित सदस्यों में से 5 सदस्य जो अध्यक्ष द्वारा निर्धारित समय तक बारी-बारी से सदस्य होगें के स्थान पर अध्यक्ष द्वारा 02 वर्ष के लिये 05 अशासकीय सदस्य नामांकित होंगे।
3. भविष्य में सामान्य सभा संस्था की उपविधियों में संभावित संशोधन कर सकेगी।

राज्य आनंद संस्थान में अभी तक निम्न ख्याति प्राप्त व्यक्तियों को सामान्य सभा में नामांकित किया गया है:-

डॉ. एच नागेन्द्र .आर.	योगाचार्य
श्री ब्रह्मदेव शर्मा	संरक्षक, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
श्री प्रभात कुमार	प्रशासक
सुश्री निवेदिता रघुनाथ भिड़े	उपाध्यक्ष, विवेकानंद रॉक मेमोरियल एवं विवेकानंद केन्द्र
डॉ प्रणव पंड्या	चांसलर देव संस्कृति विश्वविद्यालय
श्री प्रसुन जोशी	मैककैनवर्ल्ड ग्रुप इंडिया
श्री महेश श्रीवास्तव	पत्रकार
श्री अनुपम खेर	अभिनेता
डॉ सोनल मानसिंह	फाउंडरप्रेसीडेन्ट इंडियन क्लासिकल डांस
डॉ. वीरेन्द्र हेगडे	शिक्षाविद ,सुधारक
सुश्री इंदुमती काटदरे	कुलपति
आचार्य श्री गोविंद देवगिरि	आचार्य ,महर्षि वेदव्यास प्रतिष्ठान पुणे ,धर्मश्री

श्री आलोक कुमार	एडवोकेट , नई दिल्ली
श्री राजरघुनाथन	प्रोफेसर, टेक्सास यूनिवर्सिटी, ऑस्टिन
श्री गणेश प्रसाद बागडिया	मानवीय शिक्षा संस्कार संस्थान, कानपुर

1.3 संस्थान की कार्यपालन समिति

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति निम्नानुसार है:-

1. अध्यक्ष- राज्य शासन द्वारा नामांकित
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव, राज्य शासन द्वारा नामांकित
3. सामान्य सभा के गैर शासकीय नामांकित सदस्यों में से 21 सदस्य जो सदस्य द्वारा निर्धारित समय तक बारी-बारी से सदस्य होंगे।
4. प्रमुख सचिव, योजना/खेल एवं युवा कल्याण/स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षातकनीकी शिक्षा/स्वास्थ्य/संस्कृति विभाग-सदस्य।
5. संस्थान के सेटअप में वर्णित निदेशकगण पदेन सदस्य होंगे।

1.4 संस्थान की वेबसाइट

राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in नवंबर 2016 में आरंभ की गई थी। इस वेबसाईट के माध्यम से राज्य आनंद संस्थान द्वारा आनंद विभाग की जानकारी के साथ-साथ राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियों की जानकारी जनसामान्य को दी जा रही है।

आनंद विभाग से जारी होने वाले समस्त निर्देशों/आदेशों की प्रति वेबसाईट पर उपलब्ध है। आनंद विभाग द्वारा संचालित समस्त गतिविधियों का संचालन वेबसाईट के माध्यम से किया जाता है। आनंदक एवं आनंद क्लबों का पंजीयन भी संस्थान की वेबसाईट पर सीधे किया जा सकता है। आनंदक, आनंदम सहयोगी, नोडल अधिकारी तथा आनंद क्लब के सदस्य अपने ऑनलाईन लॉगिन आईडी पासवर्ड से विभिन्न गतिविधि संबंधी जानकारी वेबसाईट पर अपलोड करते है तथा आवश्यक जानकारी प्राप्त करते है।

आनंद विभाग द्वारा जिलों में संचालित गतिविधि 'अल्पविराम' की जानकारी एवं समाचार संबंधित आनंदम सहयोगियों द्वारा सीधे वेबसाईट पर अपलोड किए जाते है। प्रदेश में संचालित समस्त आनंदम स्थलों की सूची एवं स्थल का पता वेबसाईट पर उपलब्ध है। आनंदम एवं आनंद क्लब संबंधी सभी समाचारों को वेबसाईट में अपलोड करने हेतु आनंदक या आनंदम सहयोगी सीधे राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर ऑनलाईन भेज सकते है। प्रदेश के समस्त जिलों में जून 2018 में आयोजित आनंद उत्सव की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से ही दर्ज कराई गयी, जिसमें आनंद उत्सव के आयोजन की सम्पूर्ण जानकारी जैसे

आनंदम स्थल का नाम, तिथि, सम्मिलित पंचायत समूह तथा फोटो/वीडियों आदि को नोडल अधिकारी (आनंद), अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी/निगमायुक्त द्वारा सीधे राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट में दर्ज की गयी।

आनंद शिविरों के लिये पंजीयन एवं भुगतान की सुविधा भी वेबसाईट पर की गई है। साथ ही आगामी आनंद शिविर की जानकारी भी वेबसाईट पर उपलब्ध की जाती है। आनंद कैलेण्डर भी वेबसाईट पर हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति चाहे तो स्वयं का डायनैमिक कैलेण्डर वेबसाईट के माध्यम से तैयार कर सकता है। विभाग के अन्य कार्यों, निविदा एवं अभिरूचियों का प्रदर्शन (ईओआई) तथा नियुक्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्य संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से किए जाते है। वेबसाईट पर प्रमुख समाचार, कीर्ति पटल एवं अवसर इत्यादि टेब उपलब्ध है, जहां विभाग के प्रमुख समाचार और अवसर प्रदर्शित किये जाते है।

----------00----------

अध्याय – 2

वर्ष 2017-18 की प्रमुख गतिविधियां

आनंद विभाग का गठन समाज में जीवन जीने की कला के निर्माण के उद्देश्य से किया गया है। इसके अंतर्गत की जा रही गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:-

2.1 आनंदकों का पंजीकरण

आनंदक वह स्वयंसेवक कार्यकर्ता है, जो निशुल्क रूप से राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियाँ करने के लिए स्प्रेरणा से तैयार है। आनंदक अपने अन्य सामान्य कार्यकलापों के अतिरिक्त आनंद विभाग की गतिविधियों को स्वप्रेरणा से तथा बिना किसी मानदेय के संचालन करने को तैयार होते है। विभाग द्वारा समय- समय पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होकर प्रशिक्षण अनुरूप कार्य करते है। आनंदकों से संस्थान यह अपेक्षा करता है कि वे अपने कर्तव्य तथा विचारों से दूसरों के लिए सकारात्मक उदाहरण बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी आनंद विभाग की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें । यदि कोई शासकीय सेवक अपने स्वयं को आनंदक के रूप में पंजीकृत कराता है तो उसकी आनंद विभाग के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थिति शासकीय कार्य मानी जावेगी। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये है।

आनंद विभाग की गतिविधियों के संचालन के लिए स्वयंसेवक कार्यकर्ताओं को "आनंदक" के रूप में पंजीयन करने की प्रक्रिया जारी है। आमजन को आनंदक के रूप में अपना पंजीयन राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in पर करने की सुविधा प्रदान की गई है। अब तक लगभग 46,000 से अधिक स्वयंसेवकों द्वारा "आनंदक" के रूप में पंजीयन कराया गया है।

2.2 आनंद उत्सव

खेल की कुछ गतिविधियां हमेशा से ही आनन्द एवं खुशहाली प्राप्त करने का एक सशक्त माध्यम रही है। इसमें भाग लेने वाले एवं दर्शक दोनो ही आनन्दित होते है। आनंद उत्सव के अन्तर्गत लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन-कीर्तन, नाटक आदि तथा खेलकूद की गतिविधियाँ आयोजित की जाती है।

''आनंद उत्सव 2018'' का आयोजन दिनांक 14 जनवरी से 28 जनवरी 2018 के बीच ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में तीन चरणों में किया गया। दिनांक 14 से 21 जनवरी के बीच ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में, दिनांक 22 से 24 जनवरी के बीच विकासखण्ड स्तर पर तथा दिनांक 24 से 28 जनवरी के बीच जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुल

8600 से अधिक स्थानों पर आयोजित इन कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्र से लगभग 23000 ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों से लगभग 386 नगरीय निकाय द्वारा भाग लिया गया। इन आयोजनों में सभी आयु वर्ग के महिला पुरूष द्वारा भागीदारी की गई। ग्रामीण क्षेत्र में प्रति समूह आयोजन के लिए पंचायत विभाग द्वारा 15 हजार रूपये तथा विकासखण्ड स्तर के आयोजन के लिए 50 हजार रूपये की सहायता दी गई। नगरीय निकायों द्वारा अपनी क्षमता एवं आमदनी के आधार पर इन आयोजनों पर राशि का व्यय किया गया।

ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में आयोजित आयोजनों में से चयनित श्रेष्ठ आयोजनों को जिला स्तर पर पुरस्कृत करने की योजना है। साथ ही इन आयोजनों के दौरान लिए गए उत्कृष्ट फोटो एवं वीडियो को पुरस्कृत करने हेतु आमजन के लिए एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमश: राशि रूपये 25000/-, 15000/- तथा 10,000/- पुरस्कार के रूप में प्रदान किये जायेंगे।

2.3 आनंदम

दूसरों की निस्वार्थ सहायता करना तथा उसके लिए आगे बढ़कर त्याग करने का भाव भारतीय संस्कृति का आधार है। सहायता करने के अनेक तरीके हो सकते हैं, उदाहरणत: घरों में कई बार ऐसा सामान होता है जिसकी आवश्यकता नहीं होती। ऐसे सामान को किसी जरूरतमंद तक पहुंचाने की संस्थागत व्यवस्था होनी चाहिए। यह मदद करने का प्रभावी तरीका हो सकता है। इसी बात को ध्यान में रखकर आज ''आनंदम'' नामक व्यवस्था को आरंभ किया गया है। इसके अंतर्गत ऐसा घरेलू सामान, जिसकी आवश्यकता न हो, उसे व्यक्ति एक निश्चित स्थल पर रख दे तथा जिसे जरूरत हो वह वहां से बिना किसी से पूछे ले जा सके। आनंदम की यह व्यवस्था पूरे प्रदेश में हर जिले में समाज सेवी तथा जन प्रतिनिधियों के सहयोग से आरंभ की गई है।

वर्तमान में प्रदेश के 51 जिलों में कुल 172 निर्धारित स्थानों पर आनंदम गतिविधि चल रही है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इस गतिविधि का पर्यवेक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से किया जा रहा है।

2.4 अल्पविराम

'अल्पविराम' आनंद विभाग द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से शासकीय विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकेगा। सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास आवश्यक है। इसका लोक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। भौतिक सुविधायें तथा समृद्धि अकेले आनंदपूर्ण मनोस्थिति का कारक नहीं होती। यह आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों का दृष्टिकोण जीवन की परिपूर्णता की मौलिक समझ पर आधारित हो। शासकीय सेवकों को उनके कार्यस्थल पर ही नियमित अंतराल पर ऐसे कार्यों तथा क्रियाओं में सम्मिलित किया जावे, जो उनके जीवन में आनंद का कारक बन सके।

जिलों, मंत्रालयों एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों में पंजीकृत आनंदकों में से आनंदम सहयोगियों को प्रशिक्षित किया गया। इन आनंदम सहयोगियों को, महाराष्ट्र के पंचगनी स्थित Initiative of Change संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा भोपाल में आकर प्रशिक्षण दिया गया। यह संस्था भारत शासन द्वारा केन्द्रीय व राज्यों के शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को ''इथिक्स इन पब्लिक गर्वनेंस'' नाम से प्रशिक्षण देने हेतु अधिकृत है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा अल्पविराम प्रशिक्षण के लिए 'अल्पविराम प्रशिक्षण मैन्युअल' तैयार किया गया। अब तक कुल 166 आनंदम सहयोगियों को अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा चुका है, इनमें से 87 आनंदम सहयोगियों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जा चुका है। इन प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों द्वारा अपने अपने जिले में कलेक्टर कार्यालय एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में अल्पविराम कार्यक्रम का आयोजन नियमित अंतराल में किया जा रहा है। उनके द्वारा किये गये कार्यक्रमों का प्रतिवेदन संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। आनंदम सहयोगियों

द्वारा अब तक लगभग 800 अल्पविराम कार्यक्रम प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित किये गये है।

जबलपुर संभाग के जिलों के लिए दो अल्पविराम परिचय शिविर का आयोजन सितम्बर 2017 में किया जा चुका है, जिसमें 8 जिलों के 190 प्रतिभागियों ने भागीदारी की। इन अल्पविराम परिचय शिविरों में भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थी आनंदम सहयोगी का प्रशिक्षण प्राप्त करने के पात्र हो जाते है। अल्पविराम परिचय कार्यक्रम अन्य संभागों में भी आयोजित किये जा रहे हैं। साथ ही उद्योग विभाग, स्वास्थ विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग अन्तर्गत विश्व विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को भी प्रशिक्षण दिया गया है ।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आईओएफसी के साथ निष्पादित एमओयू के अंतर्गत मास्टर्स ट्रेनर्स की सेवाएं भोपाल में ली जा रही है। ये मास्टर्स ट्रेनर्स प्रदेश के जिलों, शासन के विभागाध्यक्ष कार्यालयों में होने वाले आनंद विभाग के कार्यक्रमों अल्पविराम, आनंद सभा, आनंद क्लब आदि में सहयोग प्रदान करने तथा जिलों के आनंदम सहयोगी, आनंदकों तथा नोडल अधिकारियों से सतत् संपर्क में रहकर उन्हे मार्गदर्शन प्रदान करने का कार्य कर रहे है।

2.5 आनंद शिविर

शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा ''आनंद शिविर'' आयोजित किये जा रहे है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा वर्तमान में तीन संस्थानों आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलुरू, एनिशिएटिव ऑफ चेंज, पुणे तथा ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर से इस हेतु एमओयू किया गया है।

ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर में 16 से 19 नवंबर 2017 को आयोजित आनंद शिविर में कुल 67 शासकीय सेवकों द्वारा भाग लिया गया। आर्ट ऑफ लिविंग, बैंगलोर में दिनांक 21 से 24 नवंबर 2017 तथा 16 से 19 जनवरी 2018 को आयोजित शिविरों में क्रमश: 68 तथा 64 शासकीय सेवकों द्वारा भाग लिया गया।

उक्त संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण में संबंधित विभाग के शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क तथा टी.ए. की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जाती है। निगम/मण्डलों के कर्मचारी/अधिकारियों द्वारा शिविर शुल्क का भुगतान सीधे ऑनलाईन किया जाता है, जिसकी प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जाती है। शिविरों में रजिस्ट्रेशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 500 रूपये ऑनलाईन जमा किया जाता है। आनंद शिविर में भाग लेने हेतु प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन तथा भुगतान की व्यवस्था संस्थान की वेबसाईट www.anandsansthanmp.in पर की गयी है। इन तीनों संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाने वाले शिविरों का कैलेण्डर, संस्थान की वेबसाईट पर उपलब्ध कराया गया है।

2.6 आनंद सभा

स्कूल तथा कॉलेजों के विद्यार्थियों को सशक्त एवं परिपूर्ण जीवन कला सिखाने तथा आंतरिक क्षमता विकसित करने के लिए आनंद सभा कार्यक्रम शुरू किया गया है। शैक्षणिक संस्थाओं को ऐसे मॉड्यूल उपलब्ध कराये जावेंगे जिनके अनुसार विद्यार्थी ऐसी क्रियाओं में भाग लेंगे, जो उनके जीवन में संतुलन लाने में सहायक होंगे। इस गतिविधि के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा।

विद्यार्थियों के साथ इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए माड्यूल तैयार करने हेतु निजी विशेषज्ञों एवं स्कूल शिक्षा विभाग के साथ बैठके आयोजित की गई। विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने हेतु राज्य आनंद संस्थान द्वारा एक ई.ओ.आई. के माध्यम से संस्थाओं/ व्यक्तियों से आवेदन प्राप्त किये गये। इनमें से पांच सदस्यीय समिति द्वारा अनुशंसित व्यक्ति/ संस्थाओं ने विभाग द्वारा निर्धारित किये गये domain/themes पर कार्य करना प्रारंभ किया है। ये पांच डोमेन है- स्वीकार्यता (Acceptecne), लक्ष्य (Goal), कृतज्ञता (Gratitude), संबंध (Relation) तथा देने का सुख (Giving)। इस संबंध में चार जिलों से 30 शिक्षक/ व्याख्याता को इन डोमेन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाकर अपने-अपने विद्यालयों में टेस्ट रन करने हेतु निर्देशित किया गया है। पश्चात उनके अनुभवों के आधार पर उन्हें एक रिफ्रेशर प्रशिक्षण भी दिया गया है।

2.7 आनंद क्लब

परिपूर्ण एवं आनंदमयी जीवन जीने के लिए विगत दशकों से साईंस आफ हैप्पीनेस के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में भी आनंदमयी जीवन जीने के अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। बहुत से व्यक्ति निजी स्तर पर अथवा संस्थागत रूप से ऐसी गतिविधियां संचालित करते हैं, जिनसे समाज में सकारत्मकता तथा आनंद का प्रसार होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे प्रयासों को एक संगठित रूप दिया जाए। यह भी सर्वविदित है कि भले ही प्रसन्नचित रहना हम सभी की जरूरत है, परन्तु इसके लिए क्या करना चाहिए इसकी स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं होती। ''आनंद क्लब'' के माध्यम से प्रसन्नचित रहने के कौशल को सभी वर्गों तक पहुंचाने का काम किया जा सकेगा।

''आनंद क्लब'' की परिकल्पना इस विचार पर आधारित है कि समाज में स्वयं सेवियों के समूह आनंदमयी जीवन जीने का कौशल पहले खुद सीखें, उसे अपने जीवन में उतारे और फिर उसका प्रसार अपने पड़ोस में करें। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने के इच्छुक हैं तो वे आनंद क्लब गठित करने की योग्यता रखते हैं।

आनंद क्लब की गतिविधियो मे आतंरिक गतिविधि तथा बाह्य गतिविधि शामिल है। वर्तमान में 291 आनंद क्लबों द्वारा अपना पंजीयन करा कर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

2.8 आनदं कैलेण्डर

संस्थान द्वारा "आनंद कैलेण्डर" तैयार किया गया है। इसकी परिकल्पना एवं अवधारणा आनंद विभाग द्वारा की गई है। यह कैलेण्डर जीवन मे सकारात्मक सोच को विकसित करते हुये आन्तरिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति को प्राप्त करने का रास्ता दिखाता है। आनंद कैलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक विषय निर्धारित करते हुये उस विषय से जुडी कुछ गतिविधियां सुझाव के तौर पर दी गई है। इन गतिविधियों का अभ्यास करने का तरीका कैलेण्डर में दिया गया है। प्रत्येक माह मे दी गई गतिविधियों का रोज अभ्यास करना अपेक्षित है। आनंद कैलेण्डर में वर्ष के 9 माह के लिए कृतज्ञता, खेल, अल्पविराम, मदद, सीखना, संबंध, स्वीकार्यता, लक्ष्य, जागरूकता, जैसे विषयों को लिया जाकर अंतिम तीन माहों में आनंद की उपरोक्त 9 धाराओं के संगम के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु अनुरोध किया गया है।

यह कैलेण्डर हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किया गया है। माननीय परम पावन श्री दलाई लामा जी द्वारा "आनंद कैलेण्डर" का विमोचन दिनांक 19 मार्च 2017 को किया गया। अब तक इस कैलेण्डर की 5,700 प्रतियां देश व विदेश के विशेष गणमान्य व्यक्तियों एवं सस्थाओं को उपलब्ध कराई गई है। यह कैलेण्डर राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। इच्छुक व्यक्तियों को "आनंद कैलेण्डर" लागत मूल्य पर ऑनलाईन पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

2.9 सामान्य सभा एवं कार्यपालन समिति की बैठक

सामान्य सभा की प्रथम बैठक दिनांक 28 जुलाई 2017 को मंत्रालय भोपाल में आयोजित की गई, जिसमें सामान्य सभा तथा कार्यपालन समिति के सदस्य उपस्थित हुए।

कार्यपालन समिति की प्रथम बैठक दिनांक 31 मई 2017 एवं द्वितीय बैठक दिनांक 17 जुलाई 2017 को आयोजित की गई, जिसमें कार्यपालन समिति के सदस्य उपस्थित हुए।

2.10 ऑनलाईन वीडियो कोर्स

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल आफ बिज़नेस (आई.एस.बी.) द्वारा "happiness and fulfilment" विषय पर चलाये जा रहे वीडियो कोर्स को मध्यप्रदेश में भी चलाये जाने के संबंध में आनंद विभाग द्वारा पहल की गई हैं। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्री राज रघुनाथन द्वारा विकसित किये गये इस पाठ्यक्रम में विविध क्षेत्र जैसे साईक्लोजी, न्यूरोसांइस तथा बिहैवीरल डिसिज़न थ्योरी के माध्यम से व्यवहारिक तथा जांची परखी हुई विधियों के माध्यम से जीवन मे खुशहाली व आनंद को प्राप्त करने की विधि बहुत ही सरल भाषा में बताई गई है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा उपरोक्त वीडियो कोर्स को हिन्दी में अनुवाद करने तथा अपने नागरिकों को भी इस कोर्स का लाभ देने के लिए आईएसबी टीम के साथ एक एमओयू निष्पादित किया गया है । संस्थान द्वारा इस वीडियों कोर्स का हिन्दी में अनुवाद कराया जाकर इसके हिन्दी में रूपांतरण (voice over) करने का कार्य किया जा रहा है।

2.11 आनंद रिसर्च फैलोशिप

अकादमिक शैक्षणिक एवं अन्य संस्थाओं में 'आनन्द एवं खुशहाली' विषय पर शोध एवं अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट, आनन्द फैलोशिप, आनन्द शोध पुरस्कार एवं आनन्द प्रोजेक्ट पुरस्कार प्रारंभ कर रहा है।

आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य आनंद के विषय पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान बढ़ाने के साथ-साथ प्रदेश में आनंद के प्रसार के लिए उपायों पर अनुसंधान करना है। एक वर्ष में अधिकतम 5 प्रोजेक्ट स्वीकृत किये जायेगे। प्रोजेक्ट अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी। प्रत्येक अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए अधिकतम राशि रूपये 10 लाख की सहायता प्रदान की जावेगी।

आनंद फैलोशिप के अंतर्गत एक वर्ष में अधिकतम 10 फैलोशिप स्वीकृत किये जायेगे। फैलोशिप अधिकतम 2 वर्ष के लिए होगी। आनंद फैलोशिप के अंतर्गत चयनित व्यक्ति को प्रतिवर्ष रूपये 3 लाख तक की सहायता प्रदान की जावेगी। इसके माध्यम से आनंद के विषय की समझ विकसित करने तथा आनंद एवं खुशहाली विषय पर कार्य करने के अवसर बढ़ेंगे।

2.12 हैप्पीनेस इंडेक्स

राज्य में नागरिकों के जीवन में आनंद के स्तर को मॉपने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण करवाने का कार्य विभाग द्वारा किया जाना है। इस हेतु राज्य आनंद संस्थान द्वारा आई.आई.टी. खडगपुर के साथ एक एमओयू किया गया है। आई.आई.टी. खडगपुर द्वारा इस संबंध में विश्वभर में हैप्पीनेस इंडेक्स पर अब तक हुये सर्वे का अध्ययन किया, जिसमें महत्वपूर्ण रूप से वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स, ग्लोबल सर्वे, ग्रास नेशलन हैप्पीनेस भूटान,

कैनेडियन इंडेक्स ऑफ वेलबिइंग, यू.एस.ए. ग्रास नेशनल हैप्पीनेस तथा लगभग 16 सिटी हैप्पीनेस इंडेक्स शामिल है।

हैप्पीनेस के 14 डोमेन तय किए गए तथा उनके लिए लगभग 70 प्रश्नों की ड्राफ्ट सर्वेक्षण प्रश्नावली तैयार की गई । इस प्रश्नावली के आधार पर मध्यप्रदेश में हैप्पीनेस इंडेक्स तैयार करने के लिए एक ड्राफ्ट प्रस्ताव तैयार किया गया, जिसमें सर्वेक्षण पद्धति, सैम्पल साइज, डाटा विश्लेषण के तरीके तथा रिपोर्ट का फार्मेट आदि शामिल थे।

इस ड्राफ्ट प्रस्ताव को दिनांक 22-23 फरवरी 2018 को भोपाल में एक अंतराष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान विश्वभर के हैप्पीनेस पर कार्य करने वाले विद्वानों तथा राज्य के प्रतिनिधियों के समक्ष चर्चा के लिए रखा गया । उक्त कार्यशाला मध्यप्रदेश के चुने हुए 10 जिलों के 900 व्यक्तियों से एक प्रश्नावली के माध्यम से उनके प्रसन्नता के क्षेत्रों व कारको को जाना गया।

उक्त कार्यशाला में हैप्पीनेस क्षेत्र के देश-विदेश के लगभग 80 ख्यात विशेषज्ञ सम्मिलित हुए। इसमें विदेश से आये 07 विशेषज्ञ तथा देश के अन्य प्रदेशों के आये 26 विशेषज्ञ भी सम्मिलित है।

इस कार्यशाला को अन्य विशेषज्ञों के साथ-साथ अमेरिका से आए प्रो. राज रघुनाथन, संयुक्त अरब अमिरात के प्रो. डेविड जोन्स, आई.आई.टी. खड़गपुर के प्रो. पी.पटनायक और GNH की पहल करने वाले देश भूटान के डॉ. साम्दु चेत्री ने संबोधित किया। साथ ही कनाडा एवं भूटान तथा प्रदेश के एक अन्य राज्यों से सम्मिलित हुए विशेषज्ञ द्वारा भी कार्यशाला में अपने सुझाव दिये। प्राप्त सुझावों के आधार पर आई.आई.टी. खडगपुर द्वारा प्रदेशवासियो के जीवन में खुशहाली का स्तर मापने के लिए आवश्यक प्रश्नावली तैयार की जा रही है। हैप्पीनेस इंडेक्स का अंतिम ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है।

2.13 बजट प्रावधान

वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए बजट में रू 4.75 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

----------00----------